श्री महावीराय नमः

जय गुरु हीरा | श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः | जय गुरु मान

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

रत्नम्

वर्ष-2, अंक-36 | 25 जून, 2019 | जोधपुर (राज.)

हिन्दी पाक्षिक | पृष्ठ-16 | मूल्य 5/- प्रति अंक

RNI No. RAJHIN/2015/66547

वाणी का संयम

आपका जिससे मन दुःख पाता है, तेवर चढ़ते हैं तो ऐसा सुनना या बोलना दूसरों के लिए बंद कर दीजिये। अगर गाली सुनना आपको पसन्द नहीं है तो दूसरों को भी गाली मत सुनाओ। यह नोट करके चलना शायद कैमरे की रील खराब हो सकती है, मोबाइल खराब हो सकता है, लेपटोप खराब हो सकता है, पर कर्म की यह रील कभी खराब हुई नहीं, खराब होगी नहीं। कुएँ में जैसी बोली बोलेंगे वैसी ही प्रतिध्वनि आयेगी। आप घर में गाली बोलो और चाहो कि बेटा नहीं बोले तो यह होने वाला नहीं है। आप गाली देना बंद कर देंगे तो बेटे की गालियाँ बन्द हो जायेगी। आप ऐसा करके देख सकते हैं। आपके मन की शांति, प्रसन्नता, हँसता चेहरा सामने वाले पर भी असर डालेगा ही।

-तीन प्रवचन-पीयूष भाग 5 से साभार

महामंत्री की कलम से

आदरणीय रत्नबन्धुवर,

सादर जय जिनेन्द्र !

देव, गुरु धर्म के पुण्य प्रताप से आप सपरिवार स्वस्थ एवं प्रसन्न होंगे।

जिनशासन गौरव परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा पाली में, उपाध्यायप्रवर पण्डितरत्न श्री मानचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा सूर्यनगरी जोधपुर में एवं प्रभृति संत-सतीवृन्द अपने-अपने विचरण-विहार क्षेत्रों में ज्ञान-दर्शन-चारित्र की सम्यक् आराधना करते हुए अपने सम्पर्क में आने वाले श्रावक-श्राविकाओं को ज्ञानाराधन, धर्माराधन की प्रेरणा करते हुए जिनशासन की प्रभावना कर रहे हैं। परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर एवं उपाध्यायप्रवर की कृपा से संघ एवं संघ की सहयोगी संस्थाओं की गतिविधियों को संचालित करने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ। आप सभी संघ सदस्यों के सकारात्मक एवं सक्रिय सहयोग से सभी गतिविधियाँ सुचारू रूप से चल रही हैं।

चातुर्मासकाल में आप-हम सभी ज्यादा से ज्यादा धर्माराधना का लक्ष्य रखें। तदनुरूप अपने-अपने क्षेत्रों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाकर उन कार्यक्रमों से सभी संघ सदस्यों को जोड़ने का प्रयास करें। चातुर्मासकाल में आपके यहाँ होने वाले कार्यक्रमों की सूचना यथाशीघ्र संघ कार्यालय को भिजवाने का लक्ष्य रखें तथा कार्यक्रम सम्पन्न होने पर रिपोर्ट संघ कार्यालय को प्रेषित करावें।

सभी संघ सदस्यों को निरन्तर रत्नम् (संघ समाचार-पत्र) प्रेषित किया जा रहा है। यदि आपके सम्पर्क में आने वाले किसी भी संघ सदस्य को रत्नम् प्राप्त नहीं हो रहा हो तो उन सदस्यों के नाम एवं पतें आप संघ कार्यालय को प्रेषित करावें। ताकि उनको भी रत्नम् भिजवाया जा सके और वे भी संघ की गतिविधियों एवं संघ समाचारों की जानकारी प्राप्त कर सकें।

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड द्वारा 21 जुलाई, 2019 को अखिल भारतीय स्तर पर धार्मिक परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा में अधिकाधिक संघ सदस्य भाग लें, ऐसी प्रेरणा अपने क्षेत्र में करावें।

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर संत-सतियों के चातुर्मास से वंचित क्षेत्रों में पर्युषण में स्वाध्यायी भेजने की व्यवस्था करता है। इच्छुक संघ अपनी स्वीकृति देकर मांग संघ कार्यालय को प्रेषित करावें।

सभी संत-सतीवृन्द का चातुर्मास स्थल की ओर विहार चल रहा है। संघ के गुरुभ्राताओं से निवेदन है कि आप अपने-अपने क्षेत्र में विचरण-विहार के समय संत-सतीवृन्द के दर्शन-वन्दन एवं प्रवचन-श्रवण का लाभ लेने के साथ विहार सेवा में अपनी सहभागिता प्रदर्शित करें।

आप-हम-सब संघ उन्नयन में सजगता एवं जागरूकता बनाये रखें इसी मंगल मनीषा के साथ।

-धनपत सेठिया, राष्ट्रीय महामंत्री

विचरण विहार

(दिनांक 25.06.2019 की स्थिति)

☆ परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्र जी म.सा. आदि ठाणा
वीर दुर्गादास नगर, पाली–मारवाड़ (राज.)

☆ परमश्रद्धेय उपाध्यायप्रवर पं.रत्न श्री मानचन्द्र जी म.सा. आदि ठाणा
शक्तिनगर, जोधपुर (राज.)

☆ सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनिजी म.सा. आदि ठाणा
शाही बाग, अहमदाबाद (गुज.)

☆ तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. आदि ठाणा
सरस्वती नगर, जोधपुर (राज.)

☆ साध्वीप्रमुखा विदुषी महासती श्री तेजकंवरजी म.सा. आदि ठाणा
कुन्दन नगर, जयपुर(राज.)

☆ विदुषी महासती श्री सुशीलाकंवरजी म.सा. आदि ठाणा
पुष्कर रोड़, अजमेर (राज.)

☆ विदुषी महासती श्री सौभाग्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा **गवानगांव (महा.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री मनोहरकंवरजी म.सा.आदि ठाणा **भिनाय गांव(राज.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकंवरजी म.सा. आदि ठाणा **बावड़ी गांव (राज.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा. आदि ठाणा **पावटा, जोधपुर (राज.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री इन्दुबालाजी म.सा. आदि ठाणा
कलाड़ी पेठ, चेन्नई (तमि.)

☆ व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलताजी म.सा. आदि ठाणा
तख्तेशाही रोड, जयपुर (राज.)

☆ व्याख्यात्री महासती श्री चारित्रलताजी म.सा. आदि ठाणा **जलगांव (महा.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री निःशल्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा **गाडनगेरी (कर्ना.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री मुक्तिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **चतुराई गांव (राज.)**

☆ सेवाभावी महासती श्री विमलेशप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **नांदगांव (महा.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री विनीतप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **भावी गांव (राज.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री रुचिताजी म.सा. आदि ठाणा **हावेरी (कर्ना.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री स्नेहलताजी म.सा. आदि ठाणा
महावीरनगर, जयपुर (राज.)

☆ व्याख्यात्री महासती श्री पदमप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **जलगांव (महा.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री निष्ठाप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **पिंपलखेड़ा (राज.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री संगीताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा **बिरड़ीगांव (राज.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री शिक्षाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा **मांडल (महा.)**

सभी संत-सती मण्डल के रत्नत्रय की साधना में सहायक स्वास्थ्य में समाधि है तथा विचरण विहार सुख-शांति पूर्वक चल रहा है।

परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर द्वारा सन् 2019 (संवत् 2076) के अब तक घोषित चातुर्मासों की सूची

जिनशासनगौरव, आगमज्ञ, प्रवचन-प्रभाकर, व्यसनमुक्ति के प्रबल प्रेरक परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्र जी म.सा. ने दिनांक 13, अप्रेल, 2019, 10 मई 2019 एवं 25 मई, 2019 को विक्रम संवत् 2076, ईस्वी सन् 2019 के साधु मर्यादा में रखने योग्य आगारों के साथ निम्नांकित चातुर्मास घोषित किए, जिनका विवरण इस प्रकार है-

1. पाली (राज.)–	परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा
2. शक्तिनगर, जोधपुर–	उपाध्यायप्रवर पं. रत्न श्री मानचन्द्र जी म.सा. आदि ठाणा
3. मणिनगर, अहमदाबाद -	सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनि जी म.सा. आदि ठाणा
4. नेहरु पार्क, जोधपुर–	तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनि जी म.सा. आदि ठाणा
5. प्रतापनगर, जयपुर–	साध्वीप्रमुखा विदुषी महासती श्री तेजकंवरजी म.सा. आदि ठाणा
6. वैशाली नगर, अजमेर–	विदुषी महासती श्री सुशीलाकंवर जी म.सा. आदि ठाणा
7. नंदूरबार (महा.)–	विदुषी महासती श्री सौभाग्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा
8. जामोला (अजमेर)–	व्याख्यात्री महासती श्री मनोहरकंवरजी म.सा.आदि ठाणा
9. बारनी, जिला–जोधपुर–	व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकंवर जी म.सा. आदि ठाणा
10.सरस्वतीनगर (जोधपुर)–	व्याख्यात्री महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा. आदि ठाणा
11. किलपाक, चेन्नई-	व्याख्यात्री महासती श्री इन्दुबाला जी म.सा. आदि ठाणा
12. जवाहरनगर, जयपुर–	व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलता जी म.सा. आदि ठाणा
13. जलगांव (महा.)–	व्याख्यात्री महासती श्री चारित्रलता जी म.सा. आदि ठाणा
14. बीजापुर (कर्नाटक)–	व्याख्यात्री महासती श्री निःशल्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा
15. सरवाड़ (अजमेर) -	व्याख्यात्री महासती श्री विनयप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा
16. भरतपुर (राज.)–	व्याख्यात्री महासती श्री मुक्तिप्रभा जी म.सा. आदि ठाणा
17. कजगांव (महा.)–	सेवाभावी महासती श्री विमलेशप्रभा जी म.सा. आदि ठाणा
18. गुलाबपुरा (भीलवाड़ा)–	व्याख्यात्री महासती श्री विनीतप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा
19. हुबली (कर्नाटक)–	व्याख्यात्री महासती श्री रुचिताजी म.सा. आदि ठाणा
20. महावीरनगर, जयपुर–	व्याख्यात्री महासती श्री स्नेहलताजी म.सा. आदि ठाणा
21. अमलनेर (महा.)–	व्याख्यात्री महासती श्री पदमप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा
22. खेरली (अलवर)–	व्याख्यात्री महासती श्री निष्ठाप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा
23. धुलिया (महा.)–	व्याख्यात्री महासती श्री शिक्षाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा

आचार्यप्रवर के पावन सान्निध्य में धर्मधरा पाली में अपूर्व धर्माराधन

ज्ञान-क्रिया के वर्चस्वी, स्वाध्याय मौन साधना में यशस्वी, निर्मल दीर्घ संयम आराधना में तेजस्विता के पर्याय रत्नसंघ के अष्टम पट्टधर, आसन्न उपकारी, आगमज्ञ प्रवचन प्रभाकर, ज्ञान-सुधाकर-गुण रत्नाकर-दिव्य दिवाकर-सामायिक-शीलव्रत-रात्रिभोजन त्याग-व्यसनमुक्ति के प्रबल प्रेरक, जिनशासन गौरव, परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर पूज्य श्री 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा., महान् अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा., प्रभृति मुनिवृन्द का विचरण धर्मधरा पाली के अन्यान्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य की अनुकूलता के साथ समाधिपूर्वक चल रहा है। सौम्य-शांत-विभूति पूज्य भगवन् का जहाँ-जहाँ भी पधारना-विराजना हो रहा है, श्रद्धालु भक्तजन वहाँ आकर पावन चरण सन्निधि में साधना-आराधना करने का लक्ष्य रखे हुए हैं।

विगत मासांत में 25 मई को परम श्रद्धेय पूज्य आचार्य भगवन्त के निर्देशानुसार महान् अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. ने विक्रम संवत् 2076 के शेष रहे कुछ चातुर्मासों की स्वीकृति की घोषणा निम्नानुसार धर्मसभा में प्रवचन के अन्तर्गत की-

1. पाली-मारवाड़- परम पूज्य आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा
2. नंदूरबार (महा.)- विदुषी महासती श्री सौभाग्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा
3. सरस्वती नगर, जोधपुर- व्याख्यात्री महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा. आदि ठाणा
4. खेरलीगंज (राज.)- व्याख्यात्री महासती श्री निष्ठप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा

आज से अनुयोग द्वार सूत्र की वाचनी दोपहर समय प्रारम्भ हुई। महान् अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. सरल-सरस शैली में आगमोक्त गाथाओं-सूत्रों की विशद व्याख्या कर रहे हैं।

संघ के चेयर पर्सन, संरक्षक मण्डल के संयोजक श्री मोफतराजजी मुणोत व संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रकाशचन्दजी टाटिया ने पूज्य गुरुदेव की सेवा सन्निधि का प्रमोद भाव से लाभ लिया। श्री मोफतराजजी मुणोत व्यस्ततम समयबद्धता के बावजूद भी 26 मई को गुरु भगवन् की पावन सेवा में उपस्थित हुए। भरतपुर से सेवाभावी श्री राहुलजी जैन समस्त परिवारजनों को साथ लेकर दर्शन-वंदन-प्रवचन श्रवण व सेवा की भावना से परम उपकारी पूज्यपाद की सन्निधि में आये। 29 मई को तेरापंथ परम्परा की महासती श्री कनकरेखाजी आदि ठाणा शासन रक्षक पूज्य आचार्यप्रवर की सेवा में दर्शन-वन्दन-साता पृच्छा की भावना से पधारी। 30 मई को मौजपुर से वीर दादी श्रीमती किरणदेवीजी धर्मसहायिका स्व. श्री सुखदेवप्रसादजी जैन के स्वर्गवास पर श्री मोहितजी जैन आदि परिवारजन मांगलिक श्रवण करने पूज्य गुरुदेव की सेवा में आये। वीर दादीजी के सांसारिक पौत्र रत्न रत्नसंघ में दीक्षित होकर श्रद्धेय श्री विनम्रमुनिजी म.सा. के रूप में जिनशासन की प्रभावना कर रहे हैं तथा पुत्र रत्न श्री गिरिराजजी जैन पूज्य आचार्य भगवन्त की सेवा में विगत पाँच वर्षों

से पत्र-लेखन का कार्य कुशलता से निर्वहन कर रहे हैं। देई संघ से श्रावक-श्राविकाएँ चातुर्मास की विनति लेकर करुणासागर पूज्य प्रवर की सेवा में उपस्थित हुए। 31 मई को संघ सेवा में सदैव तत्पर रहने वाले श्री प्रमोदजी लोढ़ा-जयपुर से परिवारजनों के साथ दर्शन-सेवा की भावना से आगम महोदधि पूज्यवर्य की सेवा में आये। श्री प्रमोदजी लोढ़ा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर आसीन हैं।

01 जून को आलनपुर में वरिष्ठ स्वाध्यायी श्री रामदयालजी जैन के स्वर्गवास पर श्री संजयकुमारजी, श्री मनोजकुमारजी, श्री सतीशकुमारजी, श्री बृजेश कुमारजी जैन समस्त परिवारजनों के साथ मांगलिक श्रवण करने अपने आराध्य पूज्य गुरुदेव की सेवा में आये। श्रीमती कांतिबाईजी भी वरिष्ठ स्वाध्यायी है तथा श्राविका मण्डल में राष्ट्रीय स्तर की कर्मठ पदाधिकारी रही है। श्री गौतमचन्दजी हुण्डीवाल ने चेन्नई प्रवास में अभूतपूर्व सेवा का आदर्श उपस्थित किया। आप शासन सेवा समिति के सम्मानित सदस्य है। आप विगत 6-7 वर्षो से हर माह त्रिदिवसीय पावन चरण सन्निधि में सेवा की भावना से परमाराध्य पूज्यपाद गुरुभगवन्त के विराजित स्थल पर बराबर आने का क्रम बनाये हुए हैं। इसी क्रम में आज हुण्डीवालजी पावन सेवा में आये। 02 जून को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी लासूर स्टेशन से श्रावक-श्राविकाएँ दर्शन-सेवा की अभिलाषा से परम प्रतापी पूज्य गुरुदेव की चरण सन्निधि में उपस्थित होकर त्याग-प्रत्याख्यान आदि के नियम अंगीकार किये।

जयेष्ठ (जेठ) मास का प्रारम्भ रोहिणी नक्षत्र और उसमें भी नौतपा के समय मारवाड़ में गर्मी की प्रचण्डता की पराकाष्ठा के प्रभात से हर जीव व्यतीथ रहा, फिर संत जीवन उसमें भी निर्मल संयमी साधक आत्माओं ने उष्ण परीषह में भी सहज भाव से साधना-आराधना की हर प्रवृत्ति का निष्पादन किया। अग्नि सम धधकती सड़क पर गौचरी आदि के लिये 11 बजे के लगभग पधारना-वापिस लौटना आदि प्रक्रिया देखकर रोमों में सिहरन पैदा होना स्वाभाविक है। टैगोर नगर स्थित अनुभव स्मारक संस्थान परिसर में पूज्य आचार्य भगवन्त व संतप्रवरों ने विराजकर धर्मप्रभावना का क्रम गतिमान बनाये रखा। उष्णता से बचाव के लिए सर्पराज को भी परिसर में रात्रि समय अनेक बार इधर से उधर जाते हुए देखा, पर संयमी आत्माओं में निर्भयता वाले भाव ही दृष्टिगोचर हुए।

05 जून को उपाध्याय श्री पुष्करमुनिजी की परम्परा के संतरत्न श्रद्धेय श्री जिनेन्द्रमुनिजी म.सा. व तपस्वीरत्न श्रद्धेय श्री प्रवीणमुनिजी म.सा. पूज्य गुरुदेव के स्वास्थ्य कारण से विराजने के समाचार श्रवण होते ही सातापृच्छा की भावना से पूज्य आचार्य भगवन्त की सेवा में पधारे। पारस्परिक सम्बन्ध वालें संस्मरणों का उल्लेख करते हुए वैसे ही सम्बन्ध परस्पर बने रहे, ऐसे भाव निवेदन किये।

प्रशांत-प्रतिमा-विभूति पूज्य आचार्य भगवन्त 06 जून को अनुभव स्मारक संस्थान से विहार फरमाकर आदिनाथ नगर स्थित सुधर्मा स्वाध्याय भवन पधारे। विहार में संतप्रवर श्री जिनेन्द्रमुनिजी म.सा. व श्री प्रवीणमुनिजी म.सा. भी साथ चले। 06 जून को विहार से पूर्व उपाध्याय श्री पुष्करमुनिजी की परम्परा से महासती श्री मंगलज्योतिजी म.सा. अपनी सहवर्ती महासतियाँजी के साथ दर्शन-वन्दन व साता

पृच्छा की भावना से संघनायक आचार्य भगवन्त की सेवा में पधारी। 07 जून को विहार का क्रम रखते हुए आदिनाथ नगर से राज मेंशन इन्कलेव परिसर में जिनशासन प्रभावक पूज्य प्रवर का मंगलमय पदार्पण हुआ। यहाँ जयपुर से श्री गौतमचन्दजी जैन 'उखलाना वाले' के स्वर्गवास पर श्री विपिनजी, श्री अंकितकुमार जी जैन मांगलिक श्रवण करने पोरवाल क्षेत्र पर कृपा बरसाने वाले कृपालु पूज्य गुरुदेव की सेवा में आये। पाली नगर परिषद् के अध्यक्ष श्री महेन्द्रजी बोहरा ने दर्शन-वन्दन-सेवा का लाभ लेकर धन्यता का अनुभव किया।

08 जून को सन्मार्ग प्रदाता पूज्य आचार्यप्रवर का वीर दुर्गादास नगर स्थित **स्वाध्याय भवन** (जैन भवन) में पधारना हुआ। संघ के चेयरपर्सन, संरक्षक मण्डल के संयोजक श्री मोफ्तराजजी मुणोत साता-पृच्छा की भावना से श्री चरणों में उपस्थित हुए। जयपुर से प्रबुद्ध चिंतक, वरिष्ठ स्वाध्यायी श्री केवलमलजी लोढ़ा का परिवार भक्तवत्सल पूज्यपाद की चरण सन्निधि में उपस्थित हुआ। 09 जून को स्थान परिवर्तन कर श्रीमती चीमोदेवी संचेती राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में स्थान की पर्याप्तता की भावना से पूज्य भगवन्त पधार आये। जयपुर मालवीय नगर से समर्पित गुरुभक्त सुश्रावक श्री ब्रजेन्द्रसिंहजी निर्मल के स्वर्गवास पर श्री मनोजकुमारजी, अनुजकुमारजी जैन परिवारजनों के साथ मांगलिक श्रवण करने आये। चेन्नई से शासन सेवा समिति के सदस्य संघसेवी श्री गौतमराजजी सुराणा, संघ सुमेरु शासन रक्षक पूज्य गुरुदेव की चरण सन्निधि में चार दिवसीय सेवाभावना के लक्ष्य से भक्ति से व्यवसाय की आसक्ति तजकर, सेवा-भक्ति, कर्त्तव्य की भावना को मूर्तरूप दिया। 11 जून को पालासनी-रायचूर से वीरमाता श्रीमती शांतिबाईजी धर्मसहायिका श्री जवंतराजजी आबड़ के स्वर्गवास पर श्री प्रकाशचन्दजी, श्री मीठालालजी, श्री गणपतलालजी, श्री रमेशचन्दजी आबड़ परिवारजनों के साथ मांगलिक श्रवण करने पूज्य आचार्य भगवन्त की सेवा में आये। वीर माता सुविज्ञा श्राविकारत्न के सांसारिक होनहार पुत्ररत्न रत्नसंघ में दीक्षित होकर मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनिजी म. सा. के रूप में जिनशासन में प्रभावी प्रेरणा कर रहे हैं। वीरभ्राता श्री मुन्नालालजी उत्साही-सक्रिय-सजग-कर्मठ संघसेवी है। जब भी रायचूर हो या पालासनी क्षेत्र में संत-सतियों का विचरण रहता है, विहार आदि समस्त सेवा अंतरंग भावों से करते आये हैं।

13 जून को व्याख्यात्री महासती श्री संगीताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा 3 जोधपुर से विहार कर पीपाड़ होते हुए पाली विराज रहे आचार्य भगवन्त की सेवा में दर्शन-वन्दन-सातापृच्छा के साथ गंतव्य पर पहुँचने से पूर्व मांगलिक श्रवण कर प्रस्थान करने की भावना से पधारे एवं तीन दिवसीय पावन प्रवास व चरण सन्निधि का लाभ लिया। 16 जून को क्रियोद्धारक आचार्य पूज्य श्री रत्नचन्द्रजी म.सा. की 174 वीं पुण्यतिथि एवं 19 जून को 223 वें क्रियोद्धार दिवस पर महान् अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. के विशेष प्रवचन श्रवण करने का पाली संघ को सौभाग्य मिला।

19 जून को गुलाबपुरा संघ क्षेत्र में चातुर्मास के लिये पूज्य आचार्य भगवन्त द्वारा किये जा रहे प्रयास वाले भावों के संदर्भ में कृतज्ञता के भाव निवेदन करने लगे। 20 जून को जामनेर संघ के पदाधिकारी भगवन् के चरणों में उपस्थित हुए। 21 को इस भीषण गर्मी के तापमान वाले वातावरण में भी श्रद्धेय श्री रवीन्द्रमुनिजी म.सा. तप में पुरुषार्थ कर रहे हैं। श्रद्धेय मुनिश्री ने आज पूज्य गुरुदेव के पावन मुखारविन्द से पचोले की तपस्या के प्रत्याख्यान लिये। तपाराधना में सुखसाता है।

दैनिक कार्यक्रम यथासमय बराबर चल रहे हैं। प्रातः कालीन प्रार्थना श्रद्धेय श्री रवीन्द्रमुनिजी म.सा. प्रवचन की शृंखला में श्रद्धेय श्री योगेशमुनिजी म.सा., महान् अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. फरमा रहे हैं। दोपहर 2 से 3 के मध्य शास्त्र की वाचनी महान् अध्यवसायी मुनिश्री द्वारा फरमाई जा रही है। उभयकाल प्रतिक्रमण व संवर साधना का क्रम बराबर चल रहा है। दर्शन-वन्दन हेतु आने वाले दर्शनार्थी बन्धुओं के आने का क्रम प्रायः अनवरत बना हुआ है। पाली संघ की आतिथ्य सत्कार वाली भावना अति सुन्दर है। संघ के अध्यक्ष श्री छगनलालजी लोढ़ा संघ के दायित्वों को संभालते हुए दिन में तीन-चार बार भगवन् की सेवा में पधारने का लक्ष्य रखे हुए है। महान् अध्यवसायी श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. के साथ गौचरी में चलना भी परीषहजन्य है। फिर भी वी.डी. नगर में श्री जितेन्द्रजी चौपड़ा, श्री नरेन्द्रजी चौपड़ा, श्री कल्पेशजी लोढ़ा की सुराणा मार्केट में श्री श्रीचंदजी हींगड़, श्री कमलेशजी जैन की तिलकनगर में, श्री संदीपजी गादिया, श्री राहुलजी चौपड़ा, श्री प्रज्जवल जी चौपड़ा की तथा टैगोर नगर में श्री सुरेशचन्दजी, श्री पुनीतजी मुणोत की गौचरी समय रही सेवाएँ प्रमोदजन्य है।-जगदीश जैन

उपाध्यायप्रवर के पावन सान्निध्य में शक्तिनगर, जोधपुर में धर्माराधन का ठाट

पूज्य उपाध्यायप्रवर पण्डितरत्न श्रद्धेय श्री मानचन्द्रजी म.सा., मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनिजी म.सा. आदि ठाणा का पावन सान्निध्य निरन्तर जोधपुर वासियों को प्राप्त हो रहा है। श्रद्धेय उपाध्याय भगवन्त की पावन निश्रा में धर्मध्यान का सुन्दर वातावरण बना हुआ है। प्रतिदिन युवा बन्धुओं एवं श्रावक-श्राविकाओं का सामायिक साधना के साथ नियमित प्रवचन, ज्ञानचर्चा एवं सायंकालीन प्रतिक्रमण में नियमित उत्साह प्रसंशनीय है। प्रवचन सभा में अच्छी उपस्थिति चातुर्मास जैसा ही माहौल प्रतीत कराती है। नियमित प्रवचन में स्वाध्याय की महिमा पर व्याख्यान चल रहा है। युवक परिषद् द्वारा आयोजित बालक-बालिकाओं के शिविर का समापन 02 जून को आयोजित हुआ, जिसमें मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनिजी म.सा. एवं तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. का मंगल प्रवचन एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। तत्पश्चात् न्यायाधिपति श्री प्रकाशचन्दजी टाटिया एवं श्री कैलाशचन्दजी हीरावत के मुख्य आतिथ्य में समापन समारोह का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें बच्चों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गई एवं सभी शिविरार्थियों को पुरस्कार प्रदान किये गये। धर्म आराधना की इस कड़ी में 04 से 09 जून तक स्वाध्याय संघ द्वारा

स्वाध्यायी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 70 स्वाध्यायियों ने गुरु भगवन्तों से थोकड़े एवं स्वाध्यायी के लिए आवश्यक ज्ञानार्जन किया। 16 जून को पूज्य श्री रत्नचन्द्रजी म.सा. की पुण्यतिथि धर्मध्यान एवं तप-त्याग के साथ मनाई गई। प्रत्येक रविवार को सामूहिक सामायिक का उत्साह निरन्तर बना हुआ है। सामायिक के पाठों के अर्थ के साथ स्वाध्याय का क्रम निरन्तर जारी है। तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. आदि ठाणा भी उपाध्याय भगवन्त के नेश्राय में स्वाध्यायी शिविर में शक्तिनगर विराजे और स्वाध्यायियों को सुन्दर प्रेरणा प्रदान की। तत्पश्चात् नेहरूपार्क होते हुए श्यामनगर की ओर पधारे है। वहाँ भी निरन्तर उपनगरों में प्रवचन प्रभावना चल रही है।-गजेन्द्र चौपड़ा, अध्यक्ष, युवक परिषद्, जोधपुर

अहमदाबाद में पारिवारिक सामूहिक सामायिक का आयोजन

सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनि जी म.सा. आदि ठाणा 4 के पावन सान्निध्य में राजस्थान स्थानकवासी जैन उपाश्रय, शाहीबाग, अहमदाबाद में दिनांक 23 जून 2019, रविवार को रत्नसंघ परिवारों की पारिवारिक सामूहिक सामायिक एवं प्रवचन का आयोजन हुआ। जिसमें करीब 150 श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति रही। अहमदाबाद चातुर्मास हेतु 1008 वंदना में करीब 30 नाम, तत्त्वार्थ सूत्र याद करने में 25 नाम एवं उपवास, एकासन, आयम्बिल की लड़ी में नाम लिखे गये हैं।

-पदमचन्द कोठारी, अहमदाबाद

गुलाबीगनरी जयपुर तथा खानदेश जलगांव में 'तीर्थंकर आराधना : बीस बोलों की साधना के कार्यक्रम 16 जुलाई से

जिनशासन गौरव, परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा. की महती कृपा से 2019 के लिए श्री जैन श्वेताम्बर संघ (संस्था) जवाहर नगर जयपुर को व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलता जी म.सा. तथा श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, जलगांव को व्याख्यात्री महासती श्री चारित्रलताजी म.सा. के चातुर्मास का सुयोग्य प्राप्त हुआ है, जिससे सभी जयपुर एवं जलगांव वासी हर्षित एवं प्रमुदित हैं। चातुर्मास में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के अन्तर्गत चातुर्मास के प्रथम दिवस 16 जुलाई, 2019 से 09 अगस्त 2019 तक दोनों ही स्थानों पर 24 तीर्थंकर भगवन्तों की आराधना एवं बीस बोलों की साधना का कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। इसी के साथ जयपुर में दिनांक 16 जुलाई से 4 अगस्त 2019 तक बीस विहरमान प्रभु की साधना भी आयोजित होगी। दोनों ही संघ के नेतृत्व में महासतीवृन्द के सान्निध्य में आयोजित तीर्थंकर आराधना से श्रावक-श्राविकाओं के जीवन में एक नई दिशा प्राप्त होगी। जयपुर एवं जलगांव सहित सम्पूर्ण भारत वर्ष के श्रावक-श्राविकाओं से आत्मीय अनुरोध है कि अपने जीवनकाल के 24 दिन तीर्थंकर भगवन्तों की आराधना एवं अपनी साधना को समर्पित करें। इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी के लिए दोनों ही स्थानों के निम्नांकित सम्पर्क सूत्रों पर सम्पर्क करें:-

जयपुर सम्पर्क सूत्र– 1. श्री उम्मेदकुमार जी मूसल-9351154073, 2. श्री विनोद कुमार जी संचेती-9829058283, 3. श्री सुनील जी मुणोत-9829065631, 4. श्री

भारत जी चौधरी-9414041586, 5.श्रीमती अन्नु जी भंडारी-9772166144

जलगांव सम्पर्क सूत्र– 1. श्री महावीर जी बोथरा- 9823115093, 2. श्रीमती विजयाजी मल्लारा-9404055505, 3. श्री संदीपजी चोरडिया-9422276781, 4. श्रीमती ललिताजी कटारिया-72489-11107, 5. श्री मनोजजी संचेती-9422591423, 9156898108, 6. सौ. शशिजी बाफना- 9423975610

किलपाक चेन्नई में 21 गुणों की धर्म आराधना का कार्यक्रम

श्री एस.एस. जैन संघ, किलपाक चेन्नई को जिनशासन गौरव परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्र जी म.सा. की महती कृपा से व्याख्यात्री महासती श्री इन्दूबाला जी म.सा. आदि ठाणा का इस वर्ष का वर्षावास प्राप्त हुआ है। चातुर्मास प्राप्त होने से किलपाक संघ हर्षित एवं प्रमुदित है। महासती मण्डल के चातुर्मासकाल में अम्मा पिया अलर्ट जिनेश्वर का उपासक - श्रमणोपासकों के लिये जिनधर्म का रसिक-आदर्श श्रावक रत्न बनने के लिये - 21 गुणों की धर्म आराधना का कार्यक्रम दिनांक 24 जुलाई से 13 अगस्त 2019 तक प्रातः 7.15 बजे से 11.30 बजे तक चातुर्मास स्थल कांकरिया भवन, किलपाक में रखा गया है। विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें- 1. श्री बी. सुगनचन्द जी बोथरा-9444367995, 2. श्री डी. ललित जी बाघमार-9841174202

जोधपुर में स्वाध्यायी प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर द्वारा दिनांक 04 से 09 जून 2019 तक परम श्रद्धेय उपाध्यायप्रवर पं. रत्न श्री मानचंद्रजी म.सा., मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनिजी म.सा., तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. आदि ठाणा के पावन सान्निध्य में सामायिक-स्वाध्याय भवन, शक्तिनगर, गली नं. 6 में स्वाध्यायी प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया।

इस शिविर में पोरवाल, पल्लीवाल, मेवाड़, मारवाड़, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र एवं जोधपुर सहित लगभग 70 स्वाध्यायी भाई-बहिनों ने भाग लिया। शिविरार्थियों को प्रातः 5.00 बजे जागरण के पश्चात् 6.00 से 6.30 बजे श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. एवं स्वाध्याय संघ के निदेशक डॉ. चंचलमलजी चोरडिया की कक्षाओं का लाभ प्राप्त हुआ। इन कक्षाओं में सभी स्वाध्यायी भाई-बहिनों को ध्यान एवं योग के बारे में विशेष जानकारी प्रदान करने के साथ अपने शरीर को कैसे स्वस्थ रखें, इस बारे में जानकारी दी गई। तत्पश्चात् प्रातः 8.45 से 10.00 बजे तक प्रवचन में भी अलग-अलग विषय पर संत-भगवन्तों के मुखारविन्द से सभी स्वाध्यायियों को सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। 10.30 से 11.20 तक प्रथम कालांश, दोपहर 1.00 से 1.50 द्वितीय कालांश, 2.00 से 2.50 तृतीय कालांश, 3.30 से 4.20 चतुर्थ कालांश तथा 4.30 से 5.20 तक पंचम कालांश में सभी स्वाध्यायी भाई-बहिनों को उनके पाठ्यक्रम के अनुसार श्रद्धेय श्री गौतममुनिजी म.सा., श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा., श्रद्धेय श्री यशवंतमुनिजी म.सा., श्रद्धेय श्री लोकचंद्रमुनिजी म.सा., श्रद्धेय श्री अविनाशमुनिजी म.सा., श्रद्धेय श्री अशोकमुनिजी म.सा. के आशीर्वचन के साथ विशिष्ट

विद्वानों में श्री प्रकाशचंदजी जैन-जयपुर, श्री धर्मचंदजी जैन-जोधपुर, श्री अरूणजी मेहता-जोधपुर, श्री त्रिलोकजी जैन- जयपुर, सुश्री डॉ श्वेताजी कोटडिया-जोधपुर, श्रीमती (डॉ.) हेमलताजी ललवाणी-जोधपुर की भी अध्यापन सेवाएं प्राप्त हुई। शिविर में इस बार तीन कक्षाएं बनाई गई, जिसमें प्रथम ज्ञान कक्षा में नये स्वाध्यायी तथा जिन्होंने गत वर्ष पर्युषण सेवा दी हैं, उन्हें रखा गया। दूसरी कक्षा 'दर्शन' में उन्हें रखा जिन्होंने 02 से 05 वर्ष तक पर्युषण सेवा प्रदान की। तीसरी कक्षा 'चारित्र' में 05 वर्ष से ज्यादा सेवा देने वाले स्वाध्यायी भाई-बहिनों को रखा गया। सायं प्रतिक्रमण के पश्चात् सामूहिक कक्षा में प्रथम दिवस वक्तृत्व कला पर विशेष जोर दिया गया तथा 8-10 स्वाध्यायी भाई-बहिनों को किसी भी विषय पर बोलने हेतु अवसर दिया गया। सभी ने सुन्दर ढंग से अपनी बात को रखा और जिन स्वाध्यायियों में जहां कुछ कमी लग रही थी उस बारे में उन्हें बताया गया। दिनांक 05 जून, 2019 को श्रीमती सीमाजी भंडारी-जोधपुर ने माता-पिता-गुरु के बारे में विशेष उद्बोधन दिया जिसे सुनकर उपस्थित सभी स्वाध्यायियों ने विशेष प्रेरणा प्राप्त की। तीसरे दिवस वरिष्ठ स्वाध्यायी श्री ज्ञानेन्द्रजी बाफना ने सभी स्वाध्यायियों को अंतगढ़ सूत्र विषय पर बहुत ही सुन्दर एवं विशेष जानकारी प्रदान की तथा बताया कि अंतगढ़ सूत्र को रोचक कैसे बनाया जा सकता है। चौथे एवं पांचवें दिवस पर सामूहिक कक्षा भाइयों की गुरु भगवंतों की सेवा में तथा बहिनों की महासती श्री सोहनकंवरजी म.सा. आदि ठाणा की सेवा में हुई। सायंकालीन एवं रात्रिकालीन कक्षाओं में संघ के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री प्रकाशजी सालेचा-जोधपुर की महनीय सेवाएँ प्राप्त हुई।

सभी स्वाध्यायियों की परीक्षा भी ली गई, जिसका मूल्यांकन कर उनमें से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले शिविरार्थियों को समापन समारोह में पुरस्कृत किया गया।

शिविर का समापन 9 जून को प्रवचन के पश्चात् सामायिक-स्वाध्याय भवन के नीचे के हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें अ.भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के महामंत्री श्री धनपतजी सेठिया, आध्यात्मिक शिक्षा समिति के सह-संयोजक श्री अरूणाजी मेहता, स्वाध्याय संघ के निदेशक श्री चंचलमलजी चोरडिया, संयोजक श्री सुभाषजी हुण्डीवाल, सचिव श्री सुनीलजी संकलेचा, अ.भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के संयुक्त महामंत्री श्री प्रकाशजी सालेचा, जोधपुर संघ अध्यक्ष श्री सुभाषजी गुन्देचा, शिविर संयोजक श्री धर्मचंदजी जैन सहित अन्य कई गणमान्य श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थें। समापन समारोह में मंगलाचरण श्री धर्मचंद जी जैन ने किया। तत्पश्चात् स्वाध्याय संघ के संयोजक महोदय ने सभी पधारे हुए महानुभावों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा अ.भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर संघ एवं विशेष रूप से शक्तिनगर के कार्यकर्ताओं का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया, जिन्होंने इतनी सुन्दर व्यवस्था सभी शिविरार्थियों के लिए की। महामंत्री महोदय श्री धनपत जी सेठिया ने सभी स्वाध्यायियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि जो स्वाध्यायी इस शिविर में पधारे हैं, वह आगे भी इसी प्रकार आयोजित होने वाले शिविर में स्वयं तो भाग लेवें ही साथ ही एक नये स्वाध्यायी को भी जोड़कर इन शिविरों में साथ

लावें। शिविर संयोजक श्री धर्मचंदजी जैन ने शिविर रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए परीक्षा में प्रत्येक कक्षा में वरीयता सूची में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वाले शिविरार्थियों की जानकारी प्रस्तुत की। इन शिविरार्थियों को उपस्थित पदाधिकारीगण द्वारा पुरस्कृत किया गया। सभी पधारें हुए स्वाध्यायियों के प्रतिनिधि के रूप में श्रीमान् शिखरचंदजी छाजेड़, करही ने स्वाध्याय संघ एवं जोधपुर संघ की सुन्दर व्यवस्था के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी स्वाध्यायियों को अपने-अपने क्षेत्र में भी स्वाध्यायी गतिविधियां चलाने हेतु पुरजोर निवेदन किया। अन्त में स्वाध्याय संघ के सचिव श्री सुनीलजी संकलेचा ने सभी पधारे हुए श्रावक-श्राविकाओं का आभार प्रकट किया। सभी शिविरार्थियों को यात्रा व्यय तथा स्मृति चिह्न स्वाध्याय संघ, जोधपुर की ओर से प्रदान कर उनके सम्मान में वृद्धि की गई।-सुनील संकलेचा, सचिव

रत्नसंघीय जैन परिवार द्वारा संघ को सामायिक-स्वाध्याय भवन हेतु भूखण्ड प्रदान किया गया

रत्नसंघीय श्रावक रत्न श्री पदमचन्दजी जैन, श्री रामावतारजी जैन, श्री छगनलालजी जैन, श्री मुकेशकुमारजी जैन, श्री सुमतचन्दजी जैन, श्री ललितकुमार जी जैन, श्री दिलीप कुमारजी जैन, श्री प्रदीपकुमारजी जैन, श्रीमती मंजूदेवीजी जैन मूल निवासी मौजपुर जिला अलवर हाल मुकाम अजमेर ने अपनी जन्मभूमि मौजपुर में स्थित पूर्वजों की हवेली को सामायिक-स्वाध्याय भवन के निर्माण हेतु अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ को समर्पित किया है। इस भूखण्ड पर संघ द्वारा शीघ्र ही सामायिक-स्वाध्याय भवन का निर्माण किया जायेगा। उपरोक्त भूखण्ड को उदारता पूर्वक संघ को समर्पित कर जैन परिवार मौजपुर/अजमेर ने उदारता का परिचय दिया है। एतदर्थ अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ द्वारा हार्दिक बधाई।

-धनपत सेठिया, संघ महामंत्री

संत-सतियों के चातुर्मास से वंचित क्षेत्र पर्युषण पर्वाराधना के लिए स्वाध्यायी आमंत्रित करें

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर द्वारा संत-सतियों के चातुर्मास से वंचित क्षेत्रों में पर्युषण महापर्व के पावन अवसर पर धर्माराधना करवाने के लिए सुयोग्य स्वाध्यायी भेजने की व्यवस्था की जाती है, जिन क्षेत्रों को इस वर्ष चातुर्मास प्राप्त नहीं हो सका है, वे अपने यहाँ पर्युषण पर्वाराधना हेतु स्वाध्यायी आमंत्रित कर सकते हैं। स्वाध्यायी बुलाने के इच्छुक संघ स्वाध्याय संघ कार्यालय से सम्पर्क करें। आप अपनी मांग लिखित में स्वाध्याय संघ कार्यालय को भिजवा सकते हैं। सम्पर्क सूत्रः- श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, प्लॉट नं. 2, नेहरु पार्क, जोधपुर-342003 (राज.), फोन : 0291-2624891, 2636763, ईमेलः-swadhyaysanghjodhpur@gmail.com

-सुभाषचन्द हुण्डीवाल, संयोजक

स्वाध्यायियों से आत्मीय निवेदन

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर के पर्युषण में सेवा देने वाले स्वाध्यायियों की स्वीकृतियाँ निरन्तर प्राप्त हो रही है। जिन स्वाध्यायी बन्धुओं ने अभी

तक अपनी स्वीकृति नहीं भिजवाई है, कृपया स्वाध्याय संघ कार्यालय को अपनी स्वीकृति भिजवा कर जिनशासन की प्रभावना में सहभागी बनें।

-सुभाषचन्द हुण्डीवाल, संयोजक

राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड द्वारा प्रचार–प्रसार यात्रा का आयोजन

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड द्वारा दिनांक 15 से 20 जून, 2019 तक राजस्थान तथा मध्यप्रदेश में प्रचार-प्रसार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रचार यात्रा में सोजत, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, कंजार्डा, मोरवन बाँध, छावनी नीमच, जीरण, प्रतापगढ़, मन्दसौर, कालूखेड़ा, जावरा, हातौद, महावीर भवन-इन्दौर, कालानी नगर-इन्दौर, महावीर नगर-इन्दौर, जानकी नगर-इन्दौर, उज्जैन, उन्हेल, नागदा, सुवासरा, गरोठ, रावतभाटा, सिंगोली, बेंगू, पारसोली आदि क्षेत्रों में सम्पर्क किया गया। सभी क्षेत्रों में शिक्षण बोर्ड की परीक्षा में भाग लेने हेतु प्रेरणा की गई तथा निष्क्रिय केन्द्रों को सक्रिय करने का प्रयास किया गया। अनेक क्षेत्रों से परीक्षा के आवेदन पत्र भरवाए गए। इस प्रचार-प्रसार यात्रा में जोधपुर क्षेत्र के प्रचार-प्रसार संयोजक श्री जगदीशमलजी कुम्भट-जोधपुर, मारवाड़ क्षेत्र के प्रचार-प्रसार संयोजक श्री दिनेशजी खिंवसरा-जोधपुर एवं संघ के प्रचारक श्री रिंकुजी जैन-उज्जैन की महनीय सेवाएँ प्राप्त हुई।-सुभाष नाहर, सचिव

शिक्षण बोर्ड की आगामी परीक्षा 21 जुलाई 2019 को

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड की कक्षा 1 से 12 तक की आगामी परीक्षा दिनांक 21 जुलाई-2019, रविवार को दोपहर 12.30 बजे से आयोजित की जाएगी।

1. परीक्षा, ज्ञान वृद्धि का प्रमुख साधन है। क्रमबद्ध एवं सही ज्ञान ही व्यक्ति को हित-अहित की जानकारी कराता है। अतः ज्ञान बढ़ाने एवं सुसंस्कार पाने हेतु आप स्वयं भी परीक्षा दे तथा अन्य भाई-बहनों को भी परीक्षा में भाग लेने की प्रभावी प्रेरणा कर धर्म दलाली का लाभ प्राप्त करें।
2. कम से कम 10 परीक्षार्थी होने पर नया परीक्षा केन्द्र प्रारंभ किया जा सकता है।
3. परीक्षा से सम्बन्धित पुस्तकें शिक्षण बोर्ड कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।
4. सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को प्रोत्साहन पुरस्कार व मेरिट में आने वालों को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।
5. परीक्षा में भाग लेने हेतु आवेदन-पत्र भरकर जमा कराने की अंतिम तिथि 21 जून-2019 है।

परीक्षा सम्बन्धी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें- शिक्षण बोर्ड कार्यालय- सामायिक-स्वाध्याय भवन, नेहरु पार्क, जोधपुर-342003 (राज) 291-2630490।

-सुभाष नाहर, सचिव

सूर्यनगरी जोधपुर में धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन

श्री जैन रत्न युवक परिषद्, जोधपुर द्वारा दिनांक 18 मई से 02 जून, 2019 तक धार्मिक एवं नैतिक शिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को दो वर्गों में विभाजित किया गया। प्रथम वर्ग में जो बच्चे लिख सकते हैं, ऐसे 325 शिविरार्थियों का शिविर महावीर पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया। दूसरे वर्ग में जोधपुर के विभिन्न 17 केन्द्रों पर 350 शिशु शिविरार्थियों का शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 56 अध्यापकों ने अध्यापन सेवाएँ एवं 30 कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था हेतु अपनी महनीय सेवाएँ प्रदान की। प्रातःकाल प्रार्थना के साथ शिविर का प्रारम्भ तत्पश्चात् तीन कालांश में बच्चों को ज्ञानार्जन करवाया गया। अन्तिम कालांश में विशिष्ठ विद्वानों को आमंत्रित कर विभिन्न विषयों की व्यवहारिक एवं धार्मिक उपयोगिता के साथ बच्चों के संस्कारों को अभिवृद्ध किया गया। शिविर में अध्ययन करने वाले छात्रों को समय-समय पर तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा., श्रद्धेय श्री लोकचन्द्रमुनिजी म.सा., श्रद्धेय श्री अशोकमुनिजी म.सा. का पावन सान्निध्य एवं प्रेरक उद्बोधन प्राप्त हुआ। शिविर समापन का कार्यक्रम 02 जून को हणवन्त गार्डन में रखा गया। इस अवसर पर मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनिजी म.सा. एवं तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. की विशेष प्रेरणा एवं उद्बोधन प्राप्त हुआ। मुनिवृन्द ने सभी बच्चों को आशीर्वचन प्रदान कर धर्म के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा की। समापन समारोह की अध्यक्षता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री प्रकाशचन्दजी टाटिया ने की। मुख्य अतिथि के रूप में श्री कन्हैयालालजी कोठारी-जोधपुर, विशिष्ट अतिथि के रूप में शासन सेवा समिति के सह-संयोजक श्री कैलाशचन्द जी हीरावत-जयपुर, समाजसेवी श्री बुधमल जी चौपड़ा-जोधपुर, महावीर पब्लिक स्कूल की सहसचिव श्रीमती रचनाजी कानूँगो, वरिष्ठ स्वाध्यायी श्री गोपालजी अबानी पधारे। संघ महामंत्री श्री धनपतजी सेठिया, क्षेत्रिय प्रधान श्री अमरचन्दजी चौधरी, स्थानीय संघ अध्यक्ष श्री सुभाष जी गुन्देचा, शिविर के संयोजक श्री नवरतनजी डागा, सहसंयोजक श्री राजेशजी कर्णावट, श्राविका मण्डल अध्यक्ष श्रीमती सुमनजी सिंघवी, युवक परिषद् अध्यक्ष श्री गजेन्द्रजी चौपड़ा एवं सचिव श्री लोकेशजी कुम्भट को मंच पर आमंत्रित किया गया। मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। युवक संघ अध्यक्ष श्री गजेन्द्रजी चौपड़ा के स्वागत के साथ अतिथियों का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्हों द्वारा स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम के पश्चात् शिविर के अनेक बालक-बालिकाओं द्वारा अपने ज्ञान एवं जानकारी से कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी योग्यता प्रदर्शित की गई। सभी आगन्तुक महानुभावों ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों को मुक्त कण्ठ से सराहा। संयोजक श्री नवरतनजी डागा ने शिविर रिपोर्ट प्रस्तुत की। सहसंयोजक श्री राजेशजी कर्णावट ने शिविर के अनुभव प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा सम्माननीय अतिथियों ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए उन्हें नैतिक संस्कारों के साथ जीवन-निर्माण करने की प्रेरणा की। शिविर के सफल संचालन में अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक संस्कार

केन्द्र का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। अंत में युवक परिषद् शाखा सचिव श्री लोकेशजी कुम्भट ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

-लोकेश कुम्भट, सचिव, जैन रत्न युवक परिषद्, जोधपुर

समाचार विविधा

जयपुर– श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल एवं श्री जैन रत्न युवक परिषद्-जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में मासिक सामूहिक सामायिक का आयोजन दिनांक 7 जुलाई 2019 को जवाहर नगर स्थानक में आयोजित किया जाएगा। -सुरेशचन्द कोठारी-जयपुर

जोधपुर– श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल, जोधपुर द्वारा प्रतिमाह की 09 तारीख को भक्तामर स्तोत्र की परीक्षा आयोजित की जा रही है। इस माह तीसरी परीक्षा आयोजित हुई, जिसमें जोधपुर के सभी केन्द्रों पर 125 श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा के क्रम में उत्तराध्ययन सूत्र के 36 अध्ययन कण्ठस्थ करने के लिए 36 श्राविकाओं को प्रेरणा कर उनकी स्वीकृति प्राप्त की गई। 'सामायिक जीवन का खजाना' नामक परिपत्र वितरीत कर सभी श्राविकाओं से प्रतिमाह सामायिक आराधना करने की प्रेरणा की जा रही है। जिसके फलस्वरूप जोधपुर के सभी केन्द्रों से माह अप्रेल में 11458 एवं माह मई में 12581 की सामायिक-साधना हुई। साथ ही जोधपुर की श्राविकाओं के ज्ञानार्जन हेतु परम पूज्य उपाध्यायप्रवर पण्डितरत्न श्री मानचन्द्रजी म.सा. के सान्निध्य में 20 से 25 जून तक धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।-सुमन सिंघवी, अध्यक्ष

अ. भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ को प्राप्त साभार

44165/-श्री शांतिलालजी, सरलादेवीजी सुराणा, चेन्नई, सहयोगार्थ।

31025/-श्री राजीवजी, प्रीतिजी, कास्वीजी सुराणा, चेन्नई, सहयोगार्थ।

27740/-श्री संदीपजी, लीलमजी, रचितजी, जयवीरजी सुराणा, चेन्नई, सहयोगार्थ।

1100/- श्री महेन्द्रकुमारजी जैन, सवाईमाधोपुर, अपने 65 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में।

501/- श्री अमोलकचन्दजी जैन (बीलोता वाले), अलीगढ़-रामपुरा, धर्मसहायिका श्रीमती शशिकलाजी जैन के 16 मई, 2019 को स्वर्गवास हो जाने पर उनकी पुण्य स्मृति में।

500/- श्री सुरेन्द्रजी सिंघवी, बड़ौदा, मनाली सिंघवी के डॉक्टर बनने के उपलक्ष्य में जीवदया हेतु।

अ. भा. श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, को प्राप्त साभार

1100/-श्री महेन्द्रकुमारजी, प्यारेलालजी मुणोत, नागपुर (महा.), अपनी पूजनीय मातुश्री श्रीमती शान्ताबाईजी धर्मपत्नी श्री प्यारेलालजी मुणोत की स्मृति में।

1100/-श्री दिलखुशराजजी मेहता, गोरेगांव, मुम्बई(महा.) मई-2019 हेतु सहयोगार्थ।

अ. भा. श्री जैन रत्न आध्यात्मिक संस्कार केन्द्र, को प्राप्त साभार

8500/- श्री प्रवीण कुमारजी, पदमा जी, मनोज जी, शैलेष जी, रक्षिता जी, सिद्धार्थ जी संकलेचा, कुम्भकोणम, चैन्नई, पूज्य मातुश्री श्रीमती सुशीला जी संकलेचा की पावन स्मृति में।

भूल सुधार

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल द्वारा 'बनें आगम अध्येता' योजना के अन्तर्गत आयोजित 'पंचागम खुली पुस्तक' प्रतियोगिता का परिणाम सभी प्रतिभागियों को एस.एम.एस. के माध्यम से भिजवा दिया था। रत्नम के माह मई-2019 के अंक में प्रतिभागियों को पारितोषिक भिजवा दिया है, ऐसी सूचना भूल से प्रकाशित हो गई थी। शीघ्र ही पुरस्कार भिजवाने की व्यवस्था की जा रही है। सभी प्रतिभागियों से निवेदन है कि अपने बैंक खाते का विवरण व्हाट्स एप्प नं. 94131-32362 पर भिजवाने की कृपा करें। जिन प्रतिभागियों के बैंक खाते का विवरण हमें प्राप्त नहीं होगा उन्हें पारितोषिक राशि नहीं भेजी जा सकेगी।-बीना मेहता, कार्याध्यक्ष

आगामी पर्व

आषाढ़ कृष्णा	14	सोमवार	01.07.2019	चतुर्दशी
आषाढ़ कृष्णा	30	मंगलवार	02.07.2019	पक्खी पर्व
आषाढ़ शुक्ला	8	मंगलवार	09.07.2019	अष्टमी
आषाढ़ शुक्ला	14	सोमवार	15.07.2019	चतुर्दशी
आषाढ़ शुक्ला	15	मंगलवार	16.07.2019	चातुर्मास प्रारम्भ, पक्खी पर्व
श्रावण कृष्णा	8	गुरुवार	25.07.2019	अष्टमी
श्रावण कृष्णा	14	बुधवार	31.07.2019	चतुर्दशी एवं पक्खी

BOOK PACKETS CONTAINING PERIODICALS Value of Periodical From Rs.1/- to Rs.20/- For First 100 gms or part thereof Rs. 2/-

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक धनपत सेठिया द्वारा अ.भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, नेहरु पार्क, जोधपुर (राज.) से प्रकाशित, सम्पादक-प्रकाश सालेचा एवं इण्डियन मैप सर्विस, सेक्टर-जी, राममन्दिर के पास, शास्त्रीनगर, जोधपुर से मुद्रित

Contact No. 0291-2636763, 94610-26279 (WhatsApp)
Website- www.ratnasangh.com, Email : absjrhssangh@gmail.com

इस अंक का सौजन्य- गुरुभक्त संघनिष्ठ श्री कनकराज जी महेन्द्र जी कुम्भट-जोधपुर, मुम्बई